AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : पीजी की 4000 सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा शुरू

कई छात्र बिना मास्क और मोबाइल लेकर पहुंचे तो उन्हें वापस लौटा दिया

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए सोमवार से प्रवेश परीक्षाओं की शुरुआत हो गई। पीजी की 4000 सीटों के लिए लगभग 26 हजार विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। प्रवेश परीक्षा सुबह 11 से 12.30 बजे तक और दूसरी पाली में दोपहर 03 से 4.30 बजे तक आयोजित हुई। परीक्षा को लेकर छात्रों में काफी उत्साह दिखा। दोनों पालियों में विद्यार्थियों की उपस्थिति 71 फीसदी रही।

प्रवेश परीक्षा में पहली पाली में एलएलएम और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन व दूसरी पाली में एमए-एमएससी योगा, मनोविज्ञान व विजुअल आर्ट्स और फाइन आर्ट्स के पेपर हुए। परीक्षा को लेकर पूर्व के निर्देश के बाद भी कई विद्यार्थी बिना मास्क के और मोबाइल लेकर केंद्र तक पहुंच गए थे। विवि के अधिकारियों ने ऐसे छात्रों को वापस कर दिया, जिसके बाद वे मास्क लगाकर आए। वहीं परीक्षा देकर निकले विद्यार्थियों ने बताया कि एलएलएम का पेपर अपेक्षाकृत कठिन रहा। सवाल काफी घुमाकर पूछे गए थे। विश्वविद्यालय की पीजी प्रवेश परीक्षा का आयोजन 13 सितंबर तक होगा।

71 फीसदी विद्यार्थी शामिल हुए दो पालियों में

लविवि ओल्ड कैंपस से पीजी प्रवेश पारीक्षा देकर निकलते विद्यार्थी। -संवाद

यूपीसीईटी में दूसरे दिन हुए पेपर : प्रदेश के इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट व फार्मेसी संस्थानों में स्नातक व परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए सोमवार को दूसरे दिन भी प्रवेश परीक्षा का आयोजन हुआ। सोमवार को बीफार्मा, बीटेक लेटरल इंट्री, बीटेक एग्रीकल्चर, बीफार्मा लेटरल इंट्री, एमसीए इंटीग्रेटेड, बीएचएमसीटी, बीएफए, बीएफएडी आदि के पेपर हुए।

एलएलबी, बीएड, एमए के परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने सोमवार को एक दर्जन कोर्सों के सेमेस्टर परीक्षा परिणाम जारी किए। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि एमए राजनीति विज्ञान दूसरे सेमेस्टर, एमए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन पहले सेमेस्टर, एमए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन दूसरे सेमेस्टर, एलएलबी थ्री ईयर छठे सेमेस्टर के बैक पेपर, एमए वेस्टर्न हिस्ट्री चौथे सेमेस्टर, एमबीए चौथे सेमेस्टर, एमए सोशियोलॉजी पहले सेमेस्टर के बैक पेपर, एमएससी बायो टेक्नोलॉजी चौथे सेमेस्टर, एमए सोशियोलॉजी पहले सेमेस्टर व बीएड चौथे सेमेस्टर का परिणाम जारी कर दिया गया है। विद्यार्थी वेबसाइट पर परिणाम देख सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

लविवि में शुरू हुई पीजी की प्रवेश परीक्षा

■ **एनबीटी, लखनऊः** एलयू में सोमवार से पोस्ट ग्रैजुएशन की प्रवेश परीक्षाएं शुरू हुईं। पहले दिन दो पालियों में हुईं परीक्षाओं में 2045 अभ्यर्थी शामिल हुए। वहीं, 952 अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे।

एलयू प्रवक्ता प्रो.दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव के अनुसार सुबह की पाली में एलएलएम की प्रवेश परीक्षा में 1719 अभ्यर्थी शामिल हुए और 680 ने परीक्षा छोड़ दी। पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन की प्रवेश परीक्षा में 153 अभ्यर्थी शामिल हुए और 69 अनुपस्थित रहे। वहीं, शाम की पाली में मनोविज्ञान के प्रवेश परीक्षा में 280 अभ्यर्थियों ने परीक्षाएं दीं। साथ ही 138 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। एमए और एमएससी योग में 37 अभ्यर्थी परीक्षा देने आए और 26 गैरहाजिर रहे। विजुअल आर्ट्स और फाइन आर्ट्स की प्रवेश परीक्षा में 136 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 39 अनुपस्थित थे।

'मेहनत करने वाले ही अपनाएं वकालत का पेशा'

एलयू के विधि विभाग के दो दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का सोमवार को समापन हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने कहा कि बदलते परिवेश में वकालत का पेशा बेहद महत्वपूर्ण हो गया है, लेकिन वकालत का व्यवसाय केवल उन्हीं को चुनना चाहिए जो कड़ी मेहनत कर सकते हैं। वीवीएयू की प्रो. प्रीति सक्सेना ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रभावी वकालत कौशल विकसित करना जरूरी है। दूसरे दिन महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विवि की प्रमुख एवं विभाग अध्यक्ष डॉ. अमित सिंह ने विद्यार्थियों को समकालीन अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय संविधान की विधि में अपना व्याख्यान दिया। इस दौरान डॉ. अमित सिंह ने संविधान और अंतरराष्ट्रीय विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

JAGRAN CITY PAGE I

71 फीसद अभ्यर्थियों ने दी परास्नातक प्रवेश परीक्षा

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित पीजी प्रवेश परीक्षा में कई अभ्यर्थी बिना मास्क के ही कक्ष में पहुंच गए ● सौरभ्य से लविवि

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए सोमवार से प्रवेश परीक्षाएं शुरू हो गईं। सुबह की पाली में 11 बजे से 12.30 बजे तक एलएलएम, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विषय की प्रवेश परीक्षा थी। इसके लिए अटल बिहारी वाजपेई ब्लॉक, जेके ब्लॉक, कामर्स ब्लॉक सहित पांच केंद्र बनाए गए थे। वहीं, शाम की पाली में मनोविज्ञान, एमए/एमएससी योग, विजुअल आर्ट्स और फाइन आर्ट्स की परीक्षा थी।

प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पहले दिन कुल 2,325 अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी।

मोबाइल लेकर पहुंचे, मास्क भी गायब: सुबह की पाली में बहुत से अभ्यर्थी बिना मास्क लगाए पहुंच गए। उनके पास मोबाइल भी था। ड्यूटी पर लगे प्राक्टोरियल बोर्ड के सदस्य ने उन्हें मास्क लगाने और मोबाइल दूसरी जगह रखकर आने के निर्देश दिए।

आठ को प्रवेश परीक्षा नवीन परिसर में होगी: आठ सितंबर की प्रवेश परीक्षा के लिए केंद्र में बदलाव किया गया है। अन्य प्रवेश परीक्षाएं पुराने परिसर में ही संचालित होंगी। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आठ सितंबर को सुबह 11 से 12.30 बजे तक बाटनी/ प्लांट साइंस/ माइक्रो बायोलाजी और इकोनामिक्स विषय की प्रवेश परीक्षा नवीन परिसर में होगी। ड्यूटी पर लगे प्राक्टोरियल बोर्ड के सदस्य ने उन्हें मास्क लगाने और मोबाइल दूसरी जगह रखकर आने के निर्देश दिए।

अंक अपलोड करने का दिया मौका: लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक प्रवेश परीक्षा में शामिल जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक इंटर के अंक अपलोड नहीं किए हैं, उन्हें मौका दिया गया है। ऐसे अभ्यर्थी छह से आज से 10 सितंबर तक अपने आवेदन फार्म में दी हुई लागइन आइडी पासवर्ड के माध्यम से अंक भर सकते हैं ताकि मेरिट में उनका स्थान आ सके।

13 सितंबर होंगी प्रवेश परीक्षाएं, आठ सितंबर की प्रवेश परीक्षाओं का केंद्र नवीन परिसर को बनाया

HINDUSTAN PAGE 6

रिश्तों में तनाव, करियर की चिंता दूर कर रही है यह लैब

लखनऊ| वरिष्ठ संवाददाता

तकनीक ने आज जिंदगी को जितना तेज और आसान किया है, लोगों को एक-दूसरे से उतना ही दूर कर दिया है। नतीजा...तमाम तरह की दिमागी परेशानियां, उलझनें, रिश्तों में दूरियां आने लगी हैं। ऐसे में अगर कोई ऐसा ठिकाना मिल जाए जहां आप अपनी मुश्किलों का हल ढूंढ सकें तो इससे बेहतर क्या होगा। ऐसा ही ठिकाना है लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की हैप्पी थिंकिंग लैब।

ओनएजीसी सेंटर में यह लैब नवम्बर 2020 में शुरू हुई थी। तब से लेकर अब तक यहां 500 से ज्यादा छात्र-छात्राएं अपनी समस्याएं लेकर आ चुके हैं। इनमें से कुछ लखनऊ विवि के हैं तो कुछ बाहर के। काउंसलिंग के जरिए इन लोगों बेहतर जीवन जीने के तरीके सुझाए गए। विश्वविद्यालय के शिक्षक भी यहां आते रहते हैं। लैब की डायरेक्टर प्रो. मधुरिमा प्रधान बताती हैं कि अभी कोविड के कारण उतने लोग नहीं आ रहे हैं लेकिन अब 13 सितम्बर के बाद ऑफलाइन कक्षाएं रेगुलर चलने की बात हो रही है। उम्मीद है कि तब ज्यादा संख्या में लोगों को लैब का लाभ मिलेगा।

5 सौ से ज्यादा छात्रों ने एलयू की हैप्पी थिंकिंग लैब में मदद ली

2020 नवंबर में शुरू हुई थी लैब

कैसी-कैसी परेशानियां

प्रो. मधुरिमा बताती हैं कि जिन छात्र-छात्राओं ने काउंसलिंग कराई है, उनमें से ज्यादातर की समस्या एक जैसी थी। एक छात्रा ने बताया कि उसकी माता-पिता के साथ ट्यूनिंग ठीक नहीं है। उसे देर रात तक जागने, सुबह देर से उठने की आदत है और माता-पिता अपने समय का उदाहरण देते हैं। कुछ बच्चे आए जिनको समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें करना क्या है। ज्यादातर में उद्देश्यहीनता और जीवन के लक्ष्य को लेकर असमंजस की स्थिति थी।

कॅरियर को लेकर असमंजसः नौकरियां जाने से भविष्य को लेकर चिंता, ऑनलाइन पढ़ाई से सामंजस्य बैठाने में परेशानी, सोशल मीडिया देखकर आने वाली नकारात्मकता।

कोविड काल की परेशानियांः कोरोना का डर, किसी परिचित की मौत से हुआ तनाव, अनिश्चितता की स्थिति, लॉकडाउन के कारण घर में रहने से रिश्तों में बढ़ी अनबन आदि।

हैप्पी थिंकिंग लैब में छात्र-छात्राओं को दिए जा रहे समाधान

- यह सोचने के बजाए कि क्या करना है, यह सोचें कि क्या बेहतर कर सकते हैं
- इच्छाशक्ति को मजबूत करें
- मेडिटेशन करें
- आपसी रिश्तों को मजबूत करें
- टाइम मैनेजमेंट सीखें
- अनुभवी लोगों से, अपने शिक्षकों से सही मार्गदर्शन लें।

एलयूः स्नातक के बाद सीधे पीएचडी

लखनऊ| जावेद मुस्तफा

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक में भी सत्र 2021-22 से नई शिक्षा नीति-2020 लागू करने की घोषणा कर दी गई। नए सत्र में स्नातक में प्रवेश भी एनईपी के तहत ही लिए जा रहे हैं। एनईपी लागू होने से छात्र-छात्राओं को कई फायदे मिलेंगे। सबसे बड़ा फायदा यह है कि स्नातक करने वाले छात्र-छात्राएं स्नातक के बाद सीधे पीएचडी के लिए योग्य हो जाएंगे।

एलयू में स्नातक प्रवेश के लिए 48022 आवेदन में आए हैं। प्रवेश परीक्षा भी हो गई है। परिणाम जारी होते ही एनईपी-के तहत विषयों का चयन करना होगा। एनईपी लागू होने के बाद स्नातक तीन की जगह चार वर्ष में पूरा होगा। इन चार वर्षों में हर वर्ष छात्र को कोर्स बीच में छोड़ दूसरा कोर्स करने की अनुमति होगी। पीएचडी के लिए वहीं छात्र योग्य माने जाएंगे जो पूरे चार वर्ष का कोर्स पूरा करेंगे। एनईपी में स्नातक का चतुर्थ वर्ष पूरी तरह रिसर्च पर आधारित होगा। चार वर्षीय कोर्स में यदि छात्र एक वर्ष पूरा कर के छोड़ता है तो उसे सर्टिफिकेट दिया जाएगा। दो वर्ष पर डिप्लोमा एवं तीन वर्ष पर डिग्री एवं चार वर्ष का स्नातक पूरा करने पर बैचलर विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी।

महाविद्यालय को निर्देश

स्नातक के बाद सीधे पीएचडी करने के लिए एलयू से सम्बद्ध महाविद्यालय के छात्र भी होंगे। एनईपी के निर्देश भेज दिए गए हैं। एनईपी के तहत तैयार पाठ्यक्रम भी भेजे जा रहे हैं।

एलयू में एनईपी स्नातक में लागू कर दी गई है। स्नातक के चार वर्ष पूर्ण करने वाले छात्र के पास स्नातक के बाद पीएचडी करने या एक वर्ष का मास्टर करने का विकल्प होगा। **प्रो. राकेश चन्द्रा,** डीन एकेडमिक्स, एलयू

AMRIT VICHAR PAGE 2

लखनऊ विश्वविद्यालय : परास्नातक प्रवेश परीक्षा में 740 छात्र रहे अनुपस्थित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय सोमवार से परास्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के प्रवेश परीक्षा शुरूआत हो गयी। इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2021 के पालन के तहत परास्नातक पाठ्यक्रमों में विभिन्न परिवर्तन किए गए हैं, जिनसे नए छात्रों की उत्सुकता देखने को मिली है। उन्होंने बताया कि दो पालियों में एलएलएम और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन और मनोविज्ञान, योग एवं विजुअल आर्ट्स और फाइन आर्ट्स के परास्नातक पाठ्यक्रम के प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। सुबह की पारी में एलएलएम की प्रवेश परीक्षा में 1719 अभ्यर्थी मौजूद रहे और 680 अनुपस्थित थे। पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवेश परीक्षा में 153 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 69 अनुपस्थित थे। मनोविज्ञान के प्रवेश परीक्षा में 280 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 138 अनुपस्थित। एम ए/एमएससी योग में 37 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 26 अनुपस्थित थे।

i-NEXT PAGE 4

71 फीसद ने दी पीजी प्रवेश परीक्षा

13 सितंबर तक होगी लखनऊ यूनिवर्सिटी में प्रवेश परीक्षाएं

आठ सितंबर की प्रवेश परीक्षाओं का केंद्र विश्वविद्यालय के नवीन परिसर को बनाया गया है

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (6 Sept): लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए सोमवार से प्रवेश परीक्षाएं शुरू हो गईं. अभ्यर्थियों को कोविड-19 की गाइडलाइन के अनुसार प्रवेश दिया गया. सुबह की पाली में 11 बजे से 12.30 बजे तक एलएलएम, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विषय की प्रवेश परीक्षा थी. इसके लिए अटल बिहारी वाजपेई ब्लॉक, जेके ब्लॉक, कॉमर्स ब्लॉक सहित पांच केंद्र बनाए गए थे. वहीं, शाम की पाली में मनोविज्ञान, एमए/एमएससी योग, विजुअल आर्ट्स और फाइन आर्ट्स की परीक्षा थी. प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एलएलएम में 2,399 अभ्यर्थी पंजीकृत थे. इसमें से 680 अनुपस्थित रहे. इसी तरह पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में 222 में 69, शाम की पाली में मनोविज्ञान विषय की प्रवेश परीक्षा में 418 में से 138 व एमए, एमएससी योग में 63 में से 26, विजुअल आर्ट्स एवं फाइन आर्ट्स में 175 में 39 अनुपस्थित रहे. पहले दिन कुल 2,325 अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी.

आठ को एंट्रेंस एग्जाम न्यू कैंपस में

आठ सितंबर की प्रवेश परीक्षा के लिए केंद्र में बदलाव किया गया है. अन्य प्रवेश परीक्षाएं पुराने परिसर में ही संचालित होंगी. प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आठ सितंबर को सुबह 11 से 12.30 बजे तक बाटनी/ प्लांट साइंस/ माइक्रो बायोलाजी और इकोनामिक्स विषय की प्रवेश परीक्षा नवीन परिसर में होगी. इस दौरान स्टूडेंट्स को कोविड प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन करना होगा.

लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए सोमवार से प्रवेश परीक्षाएं शुरू हो गईं. अभ्यर्थियों को कोविड-19 की गाइडलाइन के अनुसार प्रवेश दिया गया. परीक्षा सकुशन संपन्न कराई गई है.

मोबाइल लेकर पहुंचे

सुबह की पाली में बहुत से अभ्यर्थी बिना मास्क लगाए पहुंच गए. उनके पास मोबाइल भी था. ड्यूटी पर लगे प्राक्टोरियल बोर्ड के सदस्य ने उन्हें मास्क लगाने और मोबाइल दूसरी जगह रखकर आने के निर्देश दिए.

मार्क्स अपलोड करने का मौका

लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक प्रवेश परीक्षा में शामिल जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक इंटर के अंक अपलोड नहीं किए है, उन्हें मौका दिया गया है. ऐसे अभ्यर्थी छह से आज से 10 सितंबर तक अपने आवेदन फार्म में दी हुई लागइन आइडी पासवर्ड के माध्यम से अंक भर सकते हैं.